1 मेरे देश के लाल

पाठ-योजना

कविता का नाम	मेरे देश के लाल
कालांश संख्या	4 से 6
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
कविता का उद्देश्य	• देश की संस्कृति एवं समृद्धि से अवगत करवाना • देश के शूर-वीरों की जानकारी देना • स्वाधीनता के महत्व से अवगत करवाना • देश-प्रेम, समर्पण, त्याग, सहृदयता जैसे नैतिक मूल्यों का विकास करना • मातृभूमि के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित करना • कविता का लययुक्त वाचन सिखाना • कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण और अर्थ बताना • र के विविध संयोगों और र, ऋ में अंतर बताकर अभ्यास करवाना • विभिन्न गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना
कविता में आनेवाले विषय	'र' के विविध संयोग, 'र' और 'ऋ' की मात्रा में अंतर, पर्यायवाची, विलोम, पदक्रम, प्रेज़ेंटेशन, कविता-वाचन, अभिनय, श्रवण-वाचन, अनुच्छेद-लेखन, पत्र-लेखन
शिक्षण सामग्री	पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), आई-बुक एनिमेशन, टेस्ट जेनरेटर
मानक/अमानक शब्द	संतान/सन्तान, शांति/शान्ति
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• कविता के शीर्षक और चित्र पर चर्चा करवाएँ—शीर्षक से विषयवस्तु के बारे में क्या पता चलता है? 'देश के लाल' का क्या अर्थ है? चित्रों में क्या दिखाया गया है? इनसे कौन-सा भाव व्यक्त हो रहा है? आदि। • छात्रों से देश के प्रति उनके विचार जानें। • कविता का मूल भाव बताएँ। • कविता का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। • कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बाँटकर कविता का वाचन करवाएँ। • बीच-बीच में कविता से संबंधित प्रश्न पूछकर एकाग्रता को बनाए रखें। • कविता में आए कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिख लें। उनका शुद्ध उच्चारण, अर्थ तथा प्रयोग बताएँ। • कविता का सरलार्थ बताएँ। • कविता की प्रासंगिकता पर कक्षा में चर्चा करें।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	• माइंड मैप द्वारा कविता की पुनरावृत्ति करवाएँ। • 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक-दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें। • 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें।

Scanned with OKEN Scanner

अभ्यास

पढ़िए

1. **मानक वर्तनी एवं वाचन (उच्चारण)**

   दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी कक्षा में बोर्ड पर लिखवाएँ या कॉपी में लिखने को कहें। शब्दों का कक्षा में शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

2. **बताइए**

   क. इस कविता में कवि किसे संबोधित कर रहे हैं?

   उ. कवि देश की नई पीढ़ी को संबोधित कर रहे हैं।

   ख. कवि के अनुसार देश को क्या वरदान मिला है?

   उ. देश के लिए मर-मिटने और न झुकने का वरदान मिला है।

   ग. मेघ कैसा पानी बरसाते हैं?

   उ. मेघ अहिंसा का संदेश देने वाला पानी बरसाते हैं।

   घ. 'पीठ दिखाने' से कवि का क्या आशय है?

   उ. घबराकर मैदान छोड़कर भागना।

3. **सोचिए (मूल्यपरक प्रश्न)**

   क. कविता में वर्णित भारत की कौन-कौन सी विशेषताएँ आज हम नहीं देख पाते हैं? इसके क्या कारण हो सकते हैं?

   उ. भारत एक समृद्ध देश है, हम यहीं रहकर उन्नति कर सकते हैं, हम अपने देश की ये विशेषताएँ नहीं देख पाते। इसका कारण यह है कि हम विकसित देशों के आकर्षण में अधिक परिश्रम नहीं करते।

   ख. किसी देशवासी के अपने देश के प्रति कैसे भाव होने चाहिए?

   उ. किसी देशवासी के अपने देश के प्रति देश-प्रेम एवं मातृभूमि के प्रति समर्पण के भाव होने चाहिए।

लिखिए

1. **काव्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर छाँटिए और लिखिए—**

   आज़ादी अधिकार ..... हँसते-हँसते कल्याणी।

   क. हमारे सेनानी आज़ादी को मानते हैं—

   ii. अधिकार ✓

   ख. धानी चुनरिया कैसे गीत सुनाती है?

   ii. शांति के ✓

   ग. मेघ कैसा पानी बरसाते हैं?

   iv. अहिंसा का ✓

   घ. मेघों को 'साँवला' क्यों कहा गया है?

   उ. मेघ साँवले दिखाई देते हैं इसलिए उन्हें साँवला कहा गया है।

Scanned with OKEN Scanner

ङ: कल्याणी कब अपनी माँग हँसते-हँसते पोंछ देती है?

उ. जब देश के स्वाभिमान की रक्षा की आवश्यकता होती है तो कल्याणी हँसते-हँसते अपनी माँग पोंछ देती है।

2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. हमारे देश के वीरों की क्या परंपरा रही है?

उ. हमारे देश के वीर देश की रक्षा के लिए हमेशा मर-मिटने को तैयार रहते हैं, पर शत्रु के आगे कभी झुकते नहीं हैं।

ख. धरती की माँग कैसे भरी जाती है?

उ. किसान हल चलाकर और अपना पसीना बहाकर धरती की माँग भरता है अर्थात धरती को हरा-भरा करता है।

ग. देश का कौमी गाना क्या है?

उ. शान के साथ जीना और मरना देश का कौमी गाना है।

3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

क. दूध-दही की नदियाँ जिसके आँचल में कलकल करतीं— पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उ. पंक्ति का आशय है कि हमारे देश में दूध-दही की कोई कमी नहीं है। यहाँ भरपूर मात्रा में खाद्य पदार्थ उपलब्ध हैं और किसानों के घरों में पालतू पशु हैं, जिनसे पर्याप्त दूध प्राप्त होता है।

ख. पराधीनता को श्राप क्यों माना जाता है?

उ. पराधीनता में व्यक्ति मनचाहा जीवन व्यतीत नहीं कर पाता। वह न तो अपने गुणों का विकास कर पाता है और न ही समाज और देश के हित में अपनी प्रतिभा का उपयोग कर पाता है। पराधीन मनुष्य का जीवन खूँटे से बँधे पशु के समान होता है, इसलिए पराधीनता को शाप माना जाता है।

ग. कवि ने देश को 'माँ' क्यों कहा है? उसके प्रति हमारा क्या कर्तव्य है?

उ. हमारा जन्म, पालन-पोषण हमारे देश में होता है। हम देश में पल-बढ़कर बड़े होते हैं। देश से हमें सभी सुख-सुविधाएँ प्राप्त होती हैं, इसलिए कवि ने देश को 'माँ' कहा है। माँ के समान ही देश के प्रति हमारा कर्तव्य है कि हम उसे पूरा सम्मान दें और उसके प्रति समर्पित रहें।

घ. कविता का प्रतिपाद्य (मूल भाव) अपने शब्दों में लिखिए।

उ. कविता के माध्यम से नई पीढ़ी को देश के प्रति समर्पित होने का संदेश दिया जा रहा है। उसे देश की संस्कृति और समृद्धि से अवगत करवाकर देश-प्रेम के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। नई पीढ़ी को स्वाधीनता का महत्व बताकर देश के उन शूर-वीरों की जानकारी दी जा रही है, जिन्होंने स्वाभिमान के लिए शत्रु का डटकर सामना किया। उन्होंने मातृभूमि के सम्मान के लिए अपने प्राण भी न्योछावर कर दिए।

भाव स्पष्ट कीजिए—

क. रखवाले ऐसी धरती के हाथ बढ़ाना क्या जानें।

उ. पंक्ति का भाव यह है कि हमारे देश के नौजवान इतने समर्थ और साहसी हैं कि वे मातृभूमि की रक्षा करने के लिए किसी से मदद नहीं माँगते।

ख. मेरे देश के लाल हठीले शीश झुकाना क्या जानें।

उ. हमारे देश के नौजवानों में स्वाभिमान कूट-कूटकर भरा हुआ है। वे शत्रु के सामने झुकते नहीं हैं और उसका डटकर सामना करते हैं।

ग. हल की नोकें जिस धरती की मोती से माँगे भरतीं।

उ. हमारे देश के किसान बहुत परिश्रमी हैं। वे अपने परिश्रम से खेतों को हरा-भरा कर देते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

2 असली याचक

पाठ-योजना

पाठ का नाम	**असली याचक**
कालांश संख्या	4 से 8
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
पाठ का उद्देश्य	• संवेदनशीलता, प्रेम, वात्सल्य जैसे गुणों का विकास करना • धनाढ्य वर्ग के वास्तविक रूप का भान कराना • नि:स्वार्थ भाव से सबसे प्रेम करने और मदद करने को प्रेरित करना • पाठ का शुद्ध वाचन करवाना • उपसर्ग-प्रत्यय और मुहावरों का परिचय देकर अभ्यास करवाना • पाठ का भावानुसार वाचन सिखाना • कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण और अर्थ बताना • विभिन्न गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना
पाठ में आने वाले विषय	पर्यायवाची, विलोम, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे, प्रेज़ेंटेशन, परियोजना, चर्चा/लेख, नाट्य रूपांतरण और अभिनय, एनिमेटेड कहानियाँ देखना, संवाद-लेखन, चार्ट-निर्माण
शिक्षण सामग्री	पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), आई-बुक एनिमेशन, टेस्ट जेनरेटर
मानक/अमानक शब्द	अंधी/अन्धी, प्रसिद्ध/प्रसिद्ध, इकट्ठे/इकट्ठे, उत्तर/उत्तर, द्वार/द्वार, वैद्य/वैद्य, किए/किये
आरंभ— **चर्चा एवं समूह वाचन,** **कौशल—पठन, वाचन-श्रवण**	• पाठ के शीर्षक और चित्र पर चर्चा करवाएँ—शीर्षक से कहानी की विषयवस्तु के बारे में क्या पता चलता है? चित्रों में क्या दिखाया गया है? चित्र के अनुसार कहानी का मुख्य पात्र कौन हो सकता है? याचक कौन होता है? आदि। पाठ का सार बताएँ। • पाठ का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। • कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बाँटकर पाठ का वाचन करवाएँ। • बीच-बीच में अन्य समूहों से प्रश्न पूछकर एकाग्रता को बनाए रखें। • वाचन के समय कठिन प्रतीत होने वाले शब्दों को Board पर लिखें और उनका शुद्ध उच्चारण और अर्थ बताएँ। • पाठ की प्रासंगिकता के बारे में बच्चों को चर्चा करने दें। उनके विचार जानें और अपने भी विचार रखें।
मध्य **कौशल— लेखन, वाचन**	• माइंड मैप द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ। • 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक-दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें। • 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत प्रश्न 1 और व्याकरण संबोध में दिए प्रश्नों को पुस्तक में ही हल करवाएँ। प्रश्न 2 और 3 पर कक्षा में चर्चा करें और कॉपी में हल लिखवाएँ।

Scanned with OKEN Scanner

2. बताइए

क. अंधी जो कुछ माँगकर लाती थी, उसे कहाँ रखती थी?

उ. अंधी ने अपनी झोंपड़ी में एक हाँडी गाड़ रखी थी। वह सुबह से शाम तक जो कुछ भी माँगकर लाती, उसी हाँडी में डाल देती थी।

ख. सेठ बनारसीदास की कोठी पर हर समय भीड़ क्यों लगी रहती थी?

उ. सेठ की कोठी पर हर समय लोगों की भीड़ लगी रहती थी। कुछ कर्ज़ लेने के लिए आते थे। उनमें कुछ ऐसे व्यक्ति भी होते थे जो अपनी जमा-पूँजी सेठ के यहाँ धरोहर के रूप में रखने आते थे। सैकड़ों भिखारी भी अपनी जमा-पूँजी सेठ जी के पास रखने आते थे।

ग. अंधी ने बेटे के इलाज के कौन-कौन से तरीके अपनाए?

उ. अंधी ने बेटे के इलाज के लिए दवा-दारू की, झाड़-फूँक से भी काम लिया, टोने-टोटके की परीक्षा की। उसके मन में डॉक्टर से इलाज करवाने का विचार भी आया।

घ. अंधी ने रुपयों की थैली सेठ जी को वापस क्यों लौटा दी?

उ. अंधी ने जिसके लिए रुपये इकट्ठे किए थे, अब वह सेठ जी के ही पास था। अब उसके लिए रुपये इकट्ठा करने या उनसे मोह का कोई कारण नहीं था, इसलिए अंधी ने रुपयों की थैली सेठ जी को वापस लौटा दी।

3. सोचिए (मूल्यपरक प्रश्न)

क. मदद और दान में क्या अंतर है?

उ. मदद गरीबों, असहायों, अपाहिजों, प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों आदि की की जाती है। जिनकी मदद की जाती है वे मदद पाकर आत्मनिर्भर हो जाते हैं। दान पुण्य प्राप्त करने के लिए दिया जाता है। दान देने वाला व्यक्ति धार्मिक विचारों वाला होता है। दान में दया का भाव नहीं होता है जबकि मदद में दया की भावना भी होती है।

ख. आपकी दृष्टि में असली याचक (भिखारी) कौन है? क्यों?

उ. हमारी दृष्टि में असली याचक सेठ है क्योंकि उसके पास अंधी को देने के लिए कुछ भी नहीं है। अंधी ने अपनी जीवन भर की जमा-पूँजी और स्नेह से पाला हुआ बेटा मोहन सेठ को दे दिया था। अंधी अब दाता की भूमिका में थी और सेठ याचक की भूमिका में था।

लिखिए

1. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर छाँटिए और लिखिए—

सेठ जी की ओर ..... घृणा हो गई।

क. 'अच्छा, भगवान तुम्हें बहुत दे'— यह किसने किससे कहा? iii. अंधी ने सेठ से ✓

ख. अंधी ने दुखी होकर सेठ को क्या दिया? ii. शाप ✓

ग. प्राणों के लाले पड़ना का अर्थ है— i. जान को खतरा होना ✓

घ. बच्चे की दशा क्यों बिगड़ती गई?

उ. बच्चे को बीमारी के दौरान उचित दवा आदि न मिलने के कारण बच्चे की दशा बिगड़ती गई।

ङ. अंधी को सेठ जी से घृणा क्यों हो गई?

उ. सेठ जी ने अंधी के विश्वास को तोड़ा था इसलिए उसे सेठ जी से घृणा हो गई थी।

2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. कैसे कह सकते हैं कि मंदिर में आने वाले सहृदय और दयालु हुआ करते हैं?

उ. मंदिर आने-जाने वाले अंधी के प्रति दया भाव दर्शाते हुए दो-चार पैसे उसे दे ही दिया करते थे। अतः कहा जा सकता है कि मंदिर में आने वाले सहृदय और दयालु हुआ करते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

ख. अंधी बच्चे के भविष्य के प्रति चिंतित थी, यह कैसे पता चलता है?

उ. अंधी ने अपनी झोंपड़ी में एक हाँडी गाड़ रखी थी। दिन भर की भीख के पैसों से भोजन जुटाने के बाद जो पैसे बचते थे, वे हाँडी में डाल दिया करती थी। इससे पता चलता है कि अंधी अपने बच्चे के भविष्य के प्रति चिंतित थी।

ग. अंधी सेठ जी के पास पैसे माँगने क्यों गई?

उ. अपने बेटे मोहन के इलाज के लिए अंधी सेठ जी से पैसे माँगने गई।

घ. सेठ जी ने अपने खोए हुए बेटे को कैसे पहचाना?

उ. अंधी के बेटे की जाँघ के लाल निशान को देखकर सेठ जी ने अपने खोए बेटे को पहचाना।

ङ: बच्चा अंधी के पास प्रसन्न क्यों रहता था?

उ. बच्चा अंधी को ही अपनी वास्तविक माँ मानता था। वह उसके स्पर्श को पहचानता था, इसलिए बच्चा अंधी के पास प्रसन्न रहता था।

3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

क. परंतु पत्थर में जोंक न लगी— यहाँ पत्थर किसे कहा गया है? क्यों?

उ. यहाँ पत्थर सेठ जी को कहा गया है क्योंकि सेठ जी अंधी के रुदन और विवशता पर ज़रा भी द्रवित नहीं हुए थे। उन्होंने साफ़ इनकार कर दिया था कि उनके पास अंधी के जमा किए हुए पैसे हैं।

ख. सेठ जी को अंधी को लेने क्यों जाना पड़ा?

उ. बच्चे ने होश आने पर अपनी पालनहारी माँ अर्थात अंधी को ही पुकारा। अंधी को न पाकर उसकी हालत फिर बिगड़ने लगी। डॉक्टरों ने भी असमर्थता व्यक्त की। सेठ जी को लगने लगा कि कहीं दैवयोग से मिला बेटा फिर मौत द्वारा न छीन लिया जाए। अत: विवश होकर सेठ जी को अंधी को लेने जाना पड़ा।

ग. सेवा तो सेठ जी के नौकर भी कर रहे थे, पर अंधी के आने पर ही बच्चा स्वस्थ हुआ। क्यों?

उ. माँ के स्पर्श में जो अपनापन, स्नेह और विश्वास होता है, वह नौकरों की औपचारिक देखभाल में नहीं मिलता है। इस संसार में सभी प्रकार की वस्तुओं और रिश्ते-नातों का विकल्प मिल सकता है, पर माँ का विकल्प नहीं होता है। इन्हीं सब कारणों से अंधी के आने पर ही बच्चा स्वस्थ हुआ।

घ. सेठ जी बड़े ही धर्मात्मा थे फिर भी उन्होंने अंधी की धरोहर लौटाने से क्यों मना कर दिया?

उ. सेठ जी बाहरी रूप से धर्मात्मा होने का आडंबर किया करते थे, लेकिन वे ईमानदार नहीं थे। वे गरीबों के धन से ही धनी हुए थे। उनके पास मेहनत से कमाया हुआ धन नहीं था। यदि ऐसा होता तो वे अंधी को उसका धन लौटाने से मना न करते। सेठ जी चरित्रवान और सदाचारी व्यक्ति न होकर धन लोलुप थे।

ङ: सेठ और अंधी के चरित्र की तीन-तीन विशेषताएँ लिखिए।

उ. सेठ जी का चरित्र—

- सेठ धन का लालची व्यक्ति है।
- वह धर्मात्मा होने का ढोंग करता है, वास्तव में वह निष्ठुर व्यक्ति है।
- उसके मन में गरीबों और असहायों के प्रति दया या करुणा का भाव बिलकुल भी नहीं है।

अंधी का चरित्र—

- अंधी गरीब होते हुए भी माँ की ममता से परिपूर्ण है।
- वह अनजान बच्चे को पूरा स्नेह देती है। उसके भविष्य के लिए झोंपड़ी में ही हाँडी में पाई-पाई इकट्ठा करती है।
- बच्चे के बीमार होने पर उसे बचाने के लिए टोने-टोटके से लेकर दवाई आदि के द्वारा उसका उपचार करने का प्रयास करती है। अंतत: अंधी दाता है और सेठ याचक।

Scanned with OKEN Scanner